पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

अनाउंस हुई 'द फैमिली मैन-3' की रिलीज डेट

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 196 ■ बुधवार 29 अक्टूबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

छठ पूजा के उत्साह के बीच हुआ हादसा

उल्हास नदी में डूबे दो बच्चे

कल्याण. कल्याण शहरी क्षेत्र से कई प्रवासी परिवार सोमवार शाम को छठ पूजा के लिए कल्याण मुरबाड़ रोड पर रायते में उल्हास नदी के तट पर पूजा करने आए थे। इस परिवार के दो बच्चे तैरने के लिए नदी में उतरे। लेकिन पानी की गहराई का अंदाजा न होने के कारण वे डूब गए।

उल्हास नदी में दो बच्चों के डूबने की सूचना मिलते ही, शाम को दमकल कर्मियों ने नदी में नावें उतारीं और क्षेत्र में डूबे बच्चों की तलाश की। वे नहीं मिले। अंधेरा होने के कारण, दमकल कर्मियों के लिए नदी में बच्चों की तलाश करना मुश्किल हो गया, इसलिए उन्होंने देर रात खोज बंद कर दी। मंगलवार सुबह, कर्मी फिर से नदी में इन बच्चों की तलाश कर रहे थे।

छठ पूजा कार्यक्रम श्रद्धालुओं द्वारा बहते पानी के पास किया जाता है। इसलिए, कल्याण और डोंबिवली शहरी क्षेत्रों से कई प्रवासी श्रद्धालु अपने परिवारों के साथ छठ पूजा के लिए अपने घरों के पास की खाड़ी और नदी क्षेत्रों में आए थे। यहाँ पाँच-छह परिवार छठ पूजा कर रहे थे। जब छठ पूजा की रस्म चल रही थी, उसी दौरान इस परिवार के दो छोटे बच्चे परिवार की नज़रों से बचकर नदी में तैरने चले गए।

गहरे पानी के कारण बच्चे पानी में डूबे

रायता में उल्हास नदी का तल गहरा है। उस गहरे पानी की समझ न होने और भारी बारिश के कारण नदी में बहते पानी की गति के कारण, नदी में तैर रहे बच्चे शाम को अचानक गायब हो गए। इसलिए, परिवार ने उनकी तलाश शुरू की। बच्चे नदी तल में कहीं नहीं मिले। नदी किनारे मौजूद कुछ लोगों ने देखा कि नदी में उतरे दो बच्चे डूब गए हैं। उन्होंने तुरंत चिल्लाकर घोषणा की कि दोनों बच्चे नदी तल में डूब गए हैं। उस समय, प्रत्येक परिवार अपने बच्चों की तलाश करने लगा। एक परिवार ने देखा कि उनके बच्चे उनके साथ और उस इलाके में नहीं थे। वे कहीं नहीं मिले। इसलिए, एक परिवार को एहसास हुआ कि उनके बच्चे डूब गए हैं। खबर लिखे जाने तक दोनों बच्चों का नाम पता नहीं चल पाया है.

बेमौसम बारिश के बाद बीमारियां बढ़ीं

स्वास्थ्य संकट

बदलते मौसम के साथ ही प्रदूषण से नागरिकों के स्वास्थ्य पर असर

उल्हासनगर. पिछले कुछ दिनों से मौसम में आए बदलाव और पटाखों से होने वाले प्रदूषण ने नागरिकों के स्वास्थ्य पर असर डालना शुरू कर दिया है। गले में संक्रमण, सर्दी-खांसी की समस्या नागरिकों में फैल गई है। एक डॉक्टर ने बताया कि शहर के अस्पताल में हर दिन इस बीमारी से पीड़ित 70 से 80 मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। इस साल जिले में दशहरे तक बारिश शुरू हो गई थी। उसके बाद पिछले दो हफ्तों से जिले का तापमान बढ़ गया था। सुबह 11 बजे से ही धूप तेज हो रही थी। इससे नागरिक भी परेशान थे। दोपहर में बाहर निकलने का मतलब था भीषण गर्मी झेलना।

दिवाली से एक-दो दिन पहले शाम को बारिश हुई और अभी भी शाम को फुहारें पड़ रही हैं। दिन में चिलचिलाती गर्मी और शाम को बारिश के साथ बदलते मौसम ने वातावरण में अस्थिरता पैदा कर दी है। इसके अलावा, दिवाली के दौरान पटाखे फोड़ने से प्रदूषण की मात्रा बढ़ गई है और इसका असर नागरिकों के स्वास्थ्य पर स्पष्ट रूप से महसूस होने लगा है। नागरिक गले में खराश, गले में खराश, सर्दी, खांसी जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं।

ठाणे जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार के अनुसार पिछले कुछ दिनों में जिला सामान्य अस्पताल में सर्दी-खांसी के मरीजों में 30 से 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सामान्य सर्दी, बुखार, गले में संक्रमण और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षणों के साथ आने वाले मरीजों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। इस बीच, शहर के छोटे अस्पतालों में भी इन मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे ने कहा कि यह लहर ग्रामीण इलाकों में भी पहुँच गई है और सर्दी, खांसी और गले में खराश के मरीज बढ़ गए हैं।

नागरिकों को कैसे ध्यान रखना चाहिए?

- पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ पीना चाहिए, शरीर को हाइड्रेटेड रखें.
- गर्म पानी से भाप लें, गर्म पानी से गरारे करें।
- धूल से बचें; बाहर जाते समय मास्क का प्रयोग करें।
- बार-बार हाथ धोना और व्यक्तिगत स्वच्छता ज़रूरी है।
- पौष्टिक आहार, फल, सब्ज़ियाँ और विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएँ।
- लक्षण बिगड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें; खुद दवा न लें।
- डॉक्टरों का कहना है कि बदलते मौसम और प्रदूषण के असर आसानी से ठीक नहीं होते और एलर्जी व साइनस के मरीज़ों पर इसका असर ज़्यादा होता है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अगले कुछ दिनों तक सावधानी बरतने की अपील की है।

अगले सप्ताह लॉटरी पद्धति से आवंटित होंगे स्टॉल

- लाडकी बहनों का उल्हासनगर मनपा के बाहर धरना
- तपती धूप में अपने हक्क के लिए धरने पर महिलाएं
- अगर हम विधायक व सांसद बना सकते हैं, तो हम किसी भी स्तर तक जा सकते हैं
- महिलाओं का आंदोलन हुआ सफल

उल्हासनगर. महाराष्ट्र सरकार की योजना के तहत उल्हासनगर शहर में लगभग 50 महिलाओं लाडकी बहनों को 8 बाय 8 आकार के लोहे के स्टॉल मुहैया किए गए थे। पूरी प्रक्रिया अचानक रद्द कर दी गई, जिससे महिलाओं में भारी आक्रोश है। गुस्साई महिलाओं ने सोमवार को उल्हासनगर महानगरपालिका पहुंचकर आयुक्त मनीषा आव्हाले से मुलाकात की और स्पष्टीकरण मांगा। हालांकि, संतोषजनक जवाब न मिलने पर महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। महिलाओं का आरोप है कि भाजपा विधायक कुमार आयलानी के समर्थकों को स्टॉल न मिलने पर विधायकों ने सरकार को प्रक्रिया रद्द करने के लिए पत्र भेजा। नतीजतन, आठ महीने पहले स्वीकृत स्टॉल अचानक रद्द कर दिए गए। महिलाओं के इस आक्रोश के बाद आज विधायक कुमार आयलानी के कार्यालय में महिलाओं के साथ एक बैठक हुई। चर्चा के दौरान, विधायक ने महिलाओं की गलतफहमी दूर की और स्वयं महानगरपालिका आयुक्त से इस समस्या पर चर्चा करने का आश्वासन दिया। इसके बाद, महिलाओं को महानगरपालिका में प्रतीक्षा करने के लिए कहा गया, लेकिन सुरक्षा गार्डों ने गेट बंद कर दिया और महिलाओं को अंदर नहीं जाने दिया। इसलिए, गुस्साई महिलाओं ने मनपा गेट के सामने धरना दिया और आयुक्त व विधायक के खिलाफ नारेबाजी की। इसके तुरंत बाद आयुक्त मनीषा अव्हाले से चर्चा करके समाधान निकालने का प्रयास किया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अगले सप्ताह लॉटरी पद्धति से 50 पात्र महिलाओं को स्टॉल आवंटित किए जाएँगे। अधिकारियों को निर्देश दिए कि, ₹वार्ड में रहने वाली महिलाओं को उनके वार्ड के अनुसार स्टॉल दिए जाएँ।₹ इस निर्णय से महिलाओं के चेहरों पर फिर से आशा की किरण दिखाई दी है। अब सबका ध्यान लाड़की बहन योजना को साकार करने के लिए प्रशासन के अगले कदमों पर केंद्रित है।

अंबरनाथ में एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला

- प्रकृति चिंताजनक
- पुरानी दुश्मनी को लेकर रॉड से हमला

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम में पुरानी रंजिश को लेकर स्वप्निल गायकवाड़ ने प्रमोद रसाल को लेहे के रॉड से सर, मुंह आदि पर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है. ये घटना सोमवार रात दस बजे शंकर हाइट्स के सामने सड़क पर हुई है. शंकर हाईट्स निवासी प्रमोद नामदेव रसाल (47) ने पुलिस में अपराध पंजीकृत कराया है कि आरोपी स्वप्निल हरीशचंद्र गायकवाड़ (40) जो कि नया भेंडीपाड़ा का निवासी है, ने कुछ दिनों पूर्व रमी खेलते समय उन्हें गाली दी थी. जिस पर से दोनों का झगड़ा हो गया था.

इस झगड़े के रोष को लेकर स्वप्निल ने 27 अक्टूबर की रात को उनको रॉड से मारकर गायकवाड़ ने रसाल को गंभीर घायल किया है. प्रमोद रसाल के अनुसार वह अपनी बाइक पर शंकर हाईट्स की सड़क से घर पर जा रहे थे कि गायकवाड़ ने उन्हें जान से मारने के हेतु से उन पर लोहे के रॉड से हमला कर दिया. रॉड से रसाल के सर, मुंह, हाथ, पैर पर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया. गालीगलौज करके धमकी भी दी. प्रमोद रसाल की प्रृति गंभीर बनी हुई है. पुलिस ने भा.न्या.सं. 109, 352, 351 (2) के अनुसार अपराध दर्ज कर लिया है. मामले की जांच पुलिस उप निरीक्षक थोरात कर रहे हैं.

उल्हासनगर महानगर पालिका क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं के

अपर आयुक्त धीरज चव्हाण ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के अपर आयुक्त धीरज चव्हाण (लोक निर्माण विभाग) ने मनपा क्षेत्र में विभिन्न योजनाओं के विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। स्थल निरीक्षण के दौरान नगर अभियंता (साबांवि) नीलेश शिरसाठे, उप अभियंता (साबांवि) संदीप जाधव, कनिष्ठ अभियंता (साबांवि), हर्षद प्रधान, सुयश बांगर, श्रीमती अश्विनी गर्जे, सुशांत पेवेकर, सुमित चौघुले के साथ ही जनसंपर्क विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

उल्हासनगर महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त धीरज चव्हाण ने 1) रीजेंसी अंटालिया कॉम्प्लेक्स, उल्हासनगर-1 में आयुक्त निवास का निर्माण, 2) उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में पीएमई बस योजना के अंतर्गत रीजेंसी अंटालिया कॉम्प्लेक्स, शहाड में खाली जमीन पर बस डिपो का निर्माण, 3) उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में पीएमई बस योजना के अंतर्गत शहाड रेलवे ब्रिज के पास अजमेरा और पैराडाइज ग्रुप की खाली जमीन पर बस डिपो का निर्माण, 4) उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में पीएमई बस योजना के अंतर्गत उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के सामने स्काईवॉक के पास खाली जमीन पर बस डिपो का निर्माण। 5) उल्हासनगर-3 के चांदीबाई कॉलेज के सामने उल्हासनगर स्टेशन पर एक पुल का निर्माण। 8) उल्हासनगर-5 के वार्ड क्रमांक 19 में गाउन मार्केट के पास सब्जी मार्केट का निर्माण।9) उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 में वीर सावरकर चौक और अंबिका माता मंदिर के पास मांगलिक एवं धार्मिक कार्यों के लिए मीटिंग हॉल का निर्माण आदि विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया।

उद्धव सेना के शहर प्रमुख भाजपा में शामिल

उल्हासनगर. उद्धव सेना के शहर प्रमुख (पश्चिम) कुलविंदर सिंह बैंस अपने साथियों के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। इस प्रवेश ने उद्धव सेना को चौंका दिया है और शहर अध्यक्ष राजेश वढारिया ने संकेत दिया है कि चुनाव से पहले ऐसे ही झटके लगते रहेंगे. उल्हासनगर में उद्धव सेना के जिला प्रमुख धनंजय बोडारे अपने साथियों की मदद से पार्टी के गढ़ में संघर्ष कर रहे हैं। पार्टी के शहर पश्चिम शहर प्रमुख कुलविंदर सिंह बैंस, इंदर गोपलानी, सुनील पवार और अन्य के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। चव्हाण ने कुलविंदर सिंह बैंस के साथ उनके सहयोग का स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी शहर जिला अध्यक्ष राजेश वढारिया, संजय सिंह, प्रशांत पाटिल, अजीत सिंह लबाना, लता पगारे, स्वप्निल पगारे, संजय गुप्ता, मोहन खंडारे और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पोकलेन की चपेट में आने से इमारत में दरार

- उल्हासनगर में निवासियों की जान खतरे में
- डेवलपर्स की लापरवाही

उल्हासनगर. कैंप-3 स्थित लैंडमार्क इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण स्थल पर पोकलेन संचालन में लापरवाही से पड़ोस की प्रज्ञा बिल्डिंग की दीवारें, खंभे और संरचना हिल गई। तोड़फोड़ के दौरान बिना किसी सुरक्षा उपाय के इस्तेमाल की गई लापरवाही से भारी नुकसान हुआ। इस घटना से इलाके में भय और गुस्से का माहौल है और पुलिस ने लैंडमार्क इंफ्रास्ट्रक्चर/डेवलपर्स के पार्टनर विनोद मेठवानी, चंदर तेजवानी, ठेकेदार पुरुषोत्तम नल्लासेवी करपन, मोहम्मद इनामुल हक और पोकलेन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जब साईं कुटीर बिल्डिंग को गिराने का काम चल रहा था, तब बिना किसी सुरक्षा उपाय, बैरिकेडिंग या अन्य सुरक्षा उपाय के पोकलेन चलाया जा रहा था। पोकलेन की टक्कर से बिल्डिंग का एक खंभा टूटकर सीधे प्रज्ञा बिल्डिंग से टकराया। इस घटना में 2-3 घरों की दीवारें टूट गईं, छतें गिर गईं और घरों का फ़र्नीचर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ, लेकिन निवासियों की जान खतरे में पड़ गई।

इस घटना के बाद, इलाके के नागरिकों ने रोष व्यक्त किया और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। निवासियों ने कहा, 'डेवलपर्स और ठेकेदारों द्वारा बिना किसी सुरक्षा उपाय के मनमाना काम किया जा रहा है। हमारी जान-माल को खतरा होने के बावजूद, ज़िम्मेदार अधिकारी या डेवलपर्स ध्यान नहीं दे रहे हैं।' कुछ लोगों ने मनपा के इंजीनियरों पर लापरवाही का भी आरोप लगाया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, सेंट्रल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ लापरवाही से मशीनरी चलाकर जान जोखिम में डालने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया है और पोकलेन चालक व ठेकेदारों से पूछताछ जारी है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। इस बीच, नागरिकों ने

छठ पूजा धूमधाम से संपन्न

उल्हासनगर. उत्तर भारत में आस्था और परंपरा का प्रतीक छठ पूजा का पर्व इस वर्ष भी उल्हासनगर में बड़े ही धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न हिस्सों में प्राकृतिक सरोवरों, नदी घाटों, खाड़ियों के किनारों और कृत्रिम गणेश घाटों पर हजारों श्रद्धालु एकत्रित हुए और छठ पूजा में लीन हो गए।

27 अक्टूबर की शाम को, पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं श्रद्धालु डूबते सूर्य को अर्घ्य देने घाटों पर आईं। उन्होंने निर्जला व्रत रखा, सूर्य देव को जल अर्पित किया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि और संतान की दीर्घायु की कामना की। मनपा और पुलिस प्रशासन ने घाटों पर सुरक्षा और सफाई के कड़े इंतजाम किए थे।

उल्हासनगर स्टेशन के पास गणेश घाट, हीरा घाट, बोट क्लब और अन्य कृत्रिम सरोवरों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। गणेश घाट पर सामाजिक कार्यकर्ता शिवाजी रगड़े और फिरोज खान ने भव्य व्यवस्था की थी। सविता तोरणे-रगड़े, शिवाजी रगड़े, फिरोज खान, गजानंद शेल्के, अशोक जाधव, नरेंद्र करोतिया, सुमन शेल्के और अनिल कटीजा, भगवान मोहिते सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उन्होंने सूर्यास्त के समय एक साथ छठ पूजा की और अपने परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। हीरा घाट पर, सर्वधर्म समभाव मित्र मंडल द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहाँ लोकप्रिय भोजपुरी गायकों ने छठ मैया को समर्पित गीतों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। हालाँकि बीच-बीच में हल्की बारिश के कारण श्रद्धालुओं को थोड़ी असुविधा का सामना करना पड़ा, फिर भी उनकी भक्ति और उत्साह कम नहीं हुआ।

शिवसेना की विज्ञापन कमानी से वाहन चालक परेशान

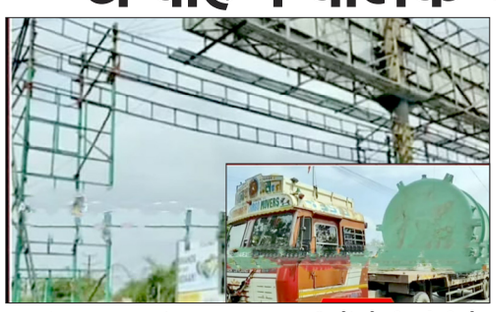

अंबरनाथ. अंबरनाथ के मुख्य केबी सड़क के बीचोंबीच गत दो महिने से एक कमानी शिवसेना की ओर से लगाई गई है. ये कमानी अंबरनाथ वासियों एवं वाहन चालकों के लिए मुसीबत बन गई है. इस कमानी पर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सांसद श्रीकांत शिंदे के फोटो लगाकर गणेशोत्सव, नवरात्रोत्सव एवं दिवाली की शुभेच्छा शहरवासियों को दी गई थी. ये कमानी आज दो महिने से निकाली नहीं गई है.

शहरवासी पुलिस विभाग एवं नगर परिषद प्रशासन से ये पूछ रहे हैं कि इस कमानी को लगाने के लिए शिवसेना ने कितने दिनों का परमीशन लिया है. सभी त्यौहार तो हो गए, लेकिन सोमवार तक ये कमानी नहीं निकालने के कारण सोमवार को एक बड़ा ट्रक ट्राली लेकर उल्हासनगर की ओर नहीं जा सका है. कमानी को हटाने के बाद ही ये ट्राली ट्रक आगे जा सकता है. शिवसेना के नेताओं एवं विधायक बालाजी किणीकर को इस बात की कोई चिंता ही नहीं है. जनता और वाहन चालकों को परेशानी होती है तो होने दो हमारे नेता त्यौहारों में खुश हो गए? ये कमानी केबी सड़क पर कल्पना होटल के समक्ष चौक पर लगाई गई है. इस कमानी से इस चौक पर ट्रैफिक भी जाम हो रहा है. पुलिसकर्मी इस चौक पर दिन रात ड्यूटी कर रहे हैं. क्या उन्हें ये सब दिखाई नहीं देता. संबंधितों पर कार्रवाई करने की मांग अब जोर पकड़ते जा रही है और मांग की जा रही है कि जल्द से जल्द इस कमानी को यहां से निकाला जाए.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

तेजाब की खुलेआम बिक्री

तमाम कड़े नियम-कानून के बावजूद महिलाओं पर तेजाब से हमला करने की घटनाएं आज भी सामने आ रही हैं। सच यह है कि अगर अब तक सामने आई घटनाओं में पर्याप्त कानूनी सख्ती बरती गई होती, तो इस तरह की वारदात पर लगाम लग सकती थी। देश की राजधानी में बीते रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा पर तेजाब से हमले की पृष्ठभूमि कोई एक दिन में नहीं बनी थी। आरोपी उसका जानकार था और वह काफी समय से उसका पीछा कर रहा था। एक महीने पहले आरोपी ने छात्रा का रास्ता रोका था, तो उनके बीच काफी कहासुनी हुई थी। इस विवाद की जड़ को समझना कोई मुश्किल नहीं है। जाहिर है कि आरोपी युवक किसी हताशा अथवा कुंठा का शिकार था और उसने साथियों के साथ मिल कर घटना को अंजाम दिया। गौरतलब है कि पिछले एक दशक में महिलाओं पर तेजाब हमले की जितनी भी घटनाएं हुई हैं, उनमें अधिकतर आरोपी पीड़ित महिला के जानकार थे या फिर हीनताबोध से उपजी कुंठा के शिकार।

इस तरह की घटनाओं में सबसे पहला सवाल यही होना चाहिए कि आखिर किन वजहों से आपराधिक कुंठा का शिकार कोई युवक किसी महिला पर तेजाब फेंकते हुए पूरी तरह बेखौफ रहता है। क्या यह कानून-व्यवस्था और उसका असर शून्य होने का सबूत नहीं है कि अपराधी बिना किसी भय के जघन्य अपराधों को अंजाम देते हैं? कुछ सवाल समाज से भी पूछे जाने चाहिए कि परिवारों में पालन-पोषण के दौरान खासतौर पर लड़कों के भीतर ऐसे मूल्य कौन तैयार करेगा कि उसे महिलाओं या लड़कियों की इच्छा की भी कद्र करनी चाहिए। जबरन किसी से दोस्ती नहीं की जा सकती। अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है तो यह उसके भीतर आपराधिक मानसिकता घर कर जाने का सबूत है। शीर्ष अदालत ने वर्ष 2013 में ही तेजाब की खुली बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था, तो यह लोगों को कैसे उपलब्ध हो रहा है? विडंबना यह है कि ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई को लेकर हीलाहवाली होने की वजह से अपराधी मानस वाले युवकों के भीतर दुस्साहस बढ़ता है, जिसका खमियाजा वैसी लड़कियों या महिलाओं को उठाना पड़ता है, जो अपनी पढ़ाई या नौकरी करने घर की दहलीज से बाहर निकलती हैं।

विचार : कमजोर पड़ते लोकतांत्रिक मूल्य

इस समय वे युवा चर्चा में हैं, जो कार्यकारी जीवन में प्रवेश कर चुके हैं या कर रहे हैं। इनमें मिलेनियल्स और जेनरेशन-जी जैसे वर्ग शामिल हैं। इन्होंने लोकतंत्र की परिभाषा विश्वविद्यालयों में सीखी है और उसके सिद्धांत तथा मूल्यों को पुस्तकों में पढ़ा है। ये सैद्धांतिक और व्यावहारिक लोकतंत्र में जो अंतर है, उसे देख सकते हैं, अंतर का विश्लेषण कर समाधान के विकल्प सोच सकते हैं। जो कुछ इस पीढ़ी ने देखा, सुना और समझा है, जो कुछ विद्वानों से सीखा या पुस्तकों में पढ़ा है, उसमें और लोकतंत्र के व्यावहारिक स्वरूप में विशाल अंतर इन्हें असमंजस में डाल रहा है। इससे व्यग्रता जन्म लेती है, बढ़ती है और अनेक अवसरों पर वह उग्रता में परिवर्तित हो जाती है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल की घटनाओं को इस संदर्भ में ही विश्लेषित किया जा रहा है। एक दूसरा वर्ग भी उन लोगों का है, जिनका जन्म परतंत्र भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की प्रजा के रूप में हुआ। वे स्वतंत्र भारत के नागरिक बने। इन्होंने देश के विभाजन तथा आबादी को 40 करोड़ से 140 करोड़ होते देखा एवं उससे जुड़े अन्य परिवर्तनों से भी भलीभांति प्रभावित हुए हैं। ये वे लोग हैं, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन की खुशबू से परिचय पाया।

इनकी अपेक्षाएं और आशाएं उस वातावरण में बढ़ रही थीं, जिसमें ऐसे अनेक व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया। उस पीढ़ी ने लोकतंत्र के जिस सैद्धांतिक लोकतंत्र से परिचय

पाया था, उसी के अनुरूप सत्ता में पहुंचे लोगों को जीवन जीते देखा और आज उसको लगातार विरूपित होते भी देख रहे हैं। इनके समक्ष ज्यादा विचलित करने वाली स्थिति है या उन युवाओं के समक्ष, जिन्हें अपने भविष्य को जीना है, अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के प्रयासों को प्रारंभ करना है।

20वीं सदी के उत्तरार्ध में जो देश प्रजातंत्र को अपना रहे थे, उनमें भारत में ही यह सबसे अधिक सफलतापूर्वक स्थापित हो सका है। भारत में प्राचीन परंपराओं और 'परहित' की सार्वभौमिक समझ के कारण ही लोकतंत्र व्यवस्थित ढंग से लागू हुआ और चलता रहा है, पर यह अत्यंत आश्चर्य का विषय है कि त्याग, तपस्या और जनसेवा के जो मूल्य गांधीजी और उनकी पीढ़ी के लोग सिखा गए, वे सब कहां खो गए। जैसे-जैसे चयनित प्रतिनिधियों को सत्ता में मिलने वाले अधिकार एवं सुविधाएं मिलीं, वे अपने निर्वाचकों को भूल गए और संपत्ति के संग्रहण में खो गए। पुलिस, कचहरी और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सामान्य व्यक्ति के लिए अत्यंत कष्टकर है।

हालांकि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए पिछले कुछ वर्षों में सार्थक प्रयास किए गए हैं, ताकि उसका जीवन सुधरे और वह अपना जीवन सम्मान और मानवीय गरिमा के साथ जी सके, परंतु समस्या यह है कि यदि ऊपर से नीचे तक अधिकांश सरकारी कर्मचारी नैतिकता के मूल्यों से विलग हो चुके हों तो अच्छे से अच्छा प्रयास कागजों पर जो दर्शाता है, वह व्यावहारिकता में लगभग शून्य हो जाता है।

आखिर भारत जैसे देश में जहां मानव मूल दर्शन में 'सर्वभूतहिते रतः' (सभी प्राणियों के हित में लगे रहना) को अंगीकार किया गया हो, वहां नैतिकता बड़े स्तर पर तिरोहित होने के स्तर तक कैसे पहुंच गई है? क्या लोकतंत्र का अर्थ चुनाव जीतकर सत्ता में कोई पद पाना, अगले पांच वर्ष तक हर प्रकार से सपत्ति संग्रह करना और जनसेवा के स्थान पर अगला चुनाव जीतना मात्र रह गया है? चयनित प्रतिनिधियों ने अपने लिए सुविधाएं लगातार बढ़ाई हैं।

संभवतः अधिकांश यह भूल गए हैं कि इस देश में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी राजेंद्र प्रसाद, लालबहादुर शास्त्री, कर्पूरी ठाकुर, गुलजारी लाल नंदा, एपीजे अब्दुल कलाम जैसे अनेकानेक लोग हुए हैं, जो सत्ता में रहे, लेकिन केवल जनसेवा को ही जीवन लक्ष्य बनाया। अपना या अपने परिवार का सुख, संपत्ति और स्वजनों को आगे बढ़ाने का कोई प्रयास नहीं किया। पिछले दस वर्षों में भारत की वैश्विक साख सम्मानजनक स्तर पर पहुंच चुकी है, लेकिन नैतिकता और मूल्यों के ह्रास की प्रक्रिया रुकी नहीं है। भ्रष्ट नेताओं और नौकरशाहों के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

जब हम प्रभु-प्रेम में रंगे जाते हैं, तो हम प्रभु से एकमेक भी हो जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चौनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

निर्वाचन आयोग से पारदर्शिता की उम्मीद

निर्वाचन आयोग की ओर से हाल ही में बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के बाद अब दूसरे चरण के तहत बारह राज्यों में यही प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की अपनी अहमियत है। दरअसल, बिहार में यह सवाल उठाया गया था कि जब चुनाव के लिए बहुत कम वक्त बचा था, तब आयोग ने अचानक एसआइआर की शुरूआत क्यों कर दी और ऐसा केवल बिहार में क्यों किया गया। तब यह भी कहा गया कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने में पर्याप्त वक्त है, अगर वहां पहले एसआइआर कराया जाए तो बेहतर हो।

मगर निर्वाचन आयोग शायद बिहार विधानसभा के लिए इसी चुनाव में मतदाता सूची को 'शुद्ध' करने की इच्छा रखता था, इसलिए काफी सवाल उठने के बावजूद आखिर एसआइआर को अंजाम दिया गया। अब अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुदुचेरी, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में एसआइआर होगा, जिसके बाद आयोग का मानना है कि इसके जरिए संबंधित राज्यों की मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाया जा सकेगा।

ऐसी शिकायतें आती रही हैं कि चुनाव में कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से या फिर किसी का नाम एक से ज्यादा

जगहों पर दर्ज था। इस तरह के कई अन्य मामलों के आधार पर मतदाता सूची में अपात्र लोगों के नाम हटाए जाने को लेकर आवाज उठती रही है। मगर बिहार में एसआइआर के क्रम में जिस तरह लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, उसे लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। कई राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि एसआइआर के बहाने बड़ी संख्या में वैसे मतदाताओं के नाम भी सूची से हटा दिए गए, जो पात्र थे।

आयोग की इस दलील से किसी को भी इनकार नहीं होगा कि किसी भी चुनाव में केवल वैध और पात्र मतदाताओं को मतदान करने का अधिकार हो। जिन लोगों का निधन हो गया है, जिनका नाम एक से ज्यादा जगहों पर मौजूद है या फिर जो स्थायी रूप से एक से दूसरे शहर में विस्थापित हो गए हैं, उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाए। मगर यह सवाल बना रहेगा कि मतदाता सूची में से किसी भी ऐसे व्यक्ति का नाम क्यों हटे, जो वैधता की कसौटी पर अपनी पूरी पात्रता रखते हैं। अब जिन राज्यों में एसआइआर की घोषणा हुई है, उसमें खबरों के मुताबिक, कोई कागज दिखाने की जरूरत नहीं होगी। मुख्य रूप से यह एक बड़ा बिंदु था, जिस पर बिहार में हुए एसआइआर के दौरान काफी सवाल उठाए गए थे। दरअसल, बिहार में एसआइआर के तहत मतदाता सूची में नाम कायम रखने के लिए आयोग ने कुछ दस्तावेज जमा करना अनिवार्य बना दिया था, जिसमें आधार को मान्य नहीं बताया गया। हालांकि इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय के दखल के बाद निर्वाचन आयोग को एसआइआर की प्रक्रिया में दस्तावेज और प्रक्रिया संबंधी शर्तों में बदलाव करने पड़े।

इस सबके मद्देनजर आगे यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि एसआइआर की समूची प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रखी जाए। इस संबंध में बिहार में हुए एसआइआर के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में जो सवाल उठे और उस अदालत की ओर से जो सुझाव या निर्देश सामने आए, उसे देखते हुए निर्वाचन आयोग अब एक ऐसे प्रारूप में एसआइआर की प्रक्रिया को संपन्न करा सकता है, जो पूरी तरह विवादरहित हो और जिससे किसी भी राजनीतिक दल को आपत्ति न हो।

यहां सड़कों पर बिकती है बीवियां, खुद मां लगाती है बोली!

जरा हट के

फिलीपींस की चमकती-दमकती सड़कों के पीछे छिपी एक ऐसी काली दुनिया का पर्दाफाश हुआ है, जो मानवता को शर्मसार कर देगी. यहां सड़क किनारे ना सिर्फ खाने-पीने की चीजें बिकती हैं, बल्कि जवान लड़कियां भी 'बीवियों' के रूप में नीलाम की जाती हैं. एक वायरल वीडियो ने इस हकीकत को दुनिया के सामने ला खड़ा किया है.

इंस्टाग्राम के 'Taboo_Arab_tv' अकाउंट से शेयर इस वीडियो में एक अरब मूल का शख्स सड़क पर खड़ी एक 21 साल की फिलिपिनो लड़की को खरीदता नजर आया. लड़की की मां खुद अपनी बेटी की 'बोली' लगाती है और बदले में ऑनलाइन पैसे लेती है. मात्र एक हजार डॉलर यानी करीब 88 हजार इंडियन करेंसी में ये सौदा पूरा हो गया. वीडियो में शख्स पेमेंट के बाद लड़की को अपने साथ अमेरिका ले जाने की बता करता नजर आया.

हकीकत या फसाना

वीडियो में शख्स खुद कैमरे पर दावा करता नजर आया कि ये फिलीपींस है, जहां 1,000 डॉलर में बीवी मिल जाती है. इसके बाद शख्स ने एक महिला को ऑनलाइन एक ट्रांसफर किये और उसके बाद महिला की बेटी से शादी की बात कही. शख्स ने दावा किया कि ये मजाक नहीं, असल जिंदगी है. वह सड़क किनारे एक झोपड़ी के पास रुकता है, जहां मां-बेटी इंतजार कर रही होती हैं. मां लड़की को सजाती है, जैसे कोई सामान तैयार कर रही हो. शख्स लड़की का हाथ थामकर चला जाता है, जबकि मां पीछे मुस्कुराती नजर आई. हालाँकि, वीडियो देखने के बाद अभी भी कई लोगों को ऐसा लग रहा है कि ये सब स्क्रिप्टेड है.

ये दृश्य इतना खौफनाक है कि देखने वाले की रूह कांप गई. फिलीपींस, जो अपनी खूबसूरत बीचेज, हॉस्पिटैलिटी और कैथोलिक संस्कृति के लिए जाना जाता है, आज मानव तस्करी के इस काले अध्याय से जूझ रहा है. शख्स का दावा है कि ये प्रथा यहां आम है, खासकर गरीब इलाकों में. मनीला के स्लम एरिया से लेकर प्रांतीय शहरों तक, परिवार आर्थिक तंगी में अपनी बेटियों को 'बेच' देते हैं.

ढाबे वाले आलू गोभी

ज्यादातर लोगों को ढाबे वाले खाने की क्रेविंग होती है। ढाबे की कुछ सब्जियां जबरदस्त लगती हैं। इनमें आलू गोभी भी शामिल है। यहां हम बता रहे हैं घर पर ढाबा स्टाइल आलू गोभी बनाने का तरीका। देखिए रेसिपी-

सामग्री :

- 4 आलू
- 1 मीडियम साइज का गोभी फूल
- 2 मीडियम साइज की प्याज
- 2 बड़े टमाटर
- आधा छोटा चम्मच जीरा
- एक तेज पत्ता
- 1 बड़ा चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- 1 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 छोटा चम्मच गरम मसाला पाउडर
- स्वाद अनुसार नमक
- एक मुट्ठी हरा धनिया
- 3 से 4 हरी मिर्च
- 1 बड़ा चम्मच सरसों का तेल

इस तरह करें तैयारी- सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले आलू को अच्छे से धो लें और फिर छील कर

एक आलू से चार हिस्से कर लें। अब गोभी को भी अच्छे से धोएं और बड़े बड़े टुकड़ों में काट लें। इसी के साथ प्याज और टमाटर को बारीक काट लें और हरी मिर्ची को बीच से काट लें। धनिया को भी बारीक काट लें और पानी से धोकर एक तरफ रख लें।

यूं बनाएं सब्जी- इसे बनाने के लिए कढ़ाई में तेल गर्म करें और फिर इसमें सबसे पहले गोभी को सेक लें। फिर एक प्लेट में निकाल लें। अब फिर से तेल गर्म करें और इसमें तेज पत्ता और जीरा डालें। 30 सेकेंड के बाद इसमें आलू डालें और इसे मिक्स करें। आलू में लहसुन-अदरक का पेस्ट डालें और फिर कुछ देर के लिए ढके और पका लें। अब इसमें प्याज डालें और अच्छे से मिक्स करें। इसे फिर से 1 से 2 मिनट के लिए ढक दें और पकने दें। जब ये पक जाए तो इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और हल्दी पाउडर अच्छे से मिक्स करें। जब मसाला पक जाए तो इसमें गोभी को मिलाएं और फिर गरम मसाला पाउडर डालें। अब इसमें हरी मिर्च डालकर मिक्स करें। अंत में इसे हरा धनिया से गार्निश करें।

ऐपल साइडर विनेगर या जीरा पानी!

■ वेट लॉस में कौनसा बेस्ट

वजन कम करने के लिए लोग कई तरह के घरेलू उपाय अपनाते हैं. कोई सुबह-सुबह जीरा पानी पीता है तो कोई ऐपल साइडर विनेगर का सेवन करता है. दोनों ही तरीकों को सोशल मीडिया और हेल्थ एक्सपर्ट्स वेट लॉस के लिए फायदेमंद बताते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दोनों में से वास्तव में कौन-सा ज्यादा असरदार है? आइए जानते हैं दोनों के गुण, उनके फायदे और सुबह इन्हें पीने का सही तरीका.

ऐपल साइडर विनेगर सेब से बनाया जाता है और इसमें एसिटिक एसिड पाया जाता है, जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद करता है. यह शरीर में फैट को जमा होने से रोकता है और भूख को भी कम करता है, जिससे ओवरईटिंग

की संभावना घट जाती है. कई रिसर्च के मुताबिक, रोज़ाना थोड़ी मात्रा में ऐपल साइडर विनेगर का सेवन करने से पेट की चर्बी कम हो सकती है और वजन धीरे-धीरे घटता है. इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन को बेहतर बनाते हैं और शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालते हैं.

■ ऐपल साइडर विनेगर पीने का सही तरीका

इसे सुबह खाली पेट पीना सबसे बेहतर माना जाता है. एक गिलास गुनगुने पानी में एक बड़ा चम्मच ऑर्गेनिक ऐपल साइडर विनेगर मिलाएं और धीरे-धीरे पीएं. ध्यान रहे, इसे कभी भी बिना पानी मिलाए न पिएं, क्योंकि इसका एसिडिक नेचर दांतों और पेट की लाइनिंग को नुकसान पहुंचा सकता है. इसके अलावा, अगर आपको एसिडिटी, अल्सर या पाचन से जुड़ी समस्या है तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

■ जीरा पानी- नेचुरल डिटॉक्स और मेटाबॉलिज्म बूस्टर

वहीं, जीरा पानी सदियों से भारतीय घरेलू नुस्खों में शामिल है. इसमें आयरन, कैल्शियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो पाचन को बेहतर बनाते हैं और ब्लोटिंग (पेट फूलना) की समस्या को कम करते हैं. जीरा पानी शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे शरीर तेजी से कैलोरी बर्न करता है. इसके अलावा, यह ब्लड शुगर को नियंत्रित रखता है और हार्मोन बैलेंस बनाए रखता है, जो वजन घटाने के लिए बहुत जरूरी है.

■ जीरा पानी पीने का सही तरीका

रात में एक गिलास पानी में एक चम्मच जीरा डालकर छोड़ दें. सुबह उठकर इस पानी को छानकर खाली पेट पी लें. अगर चाहें तो इसे हल्का गुनगुना भी कर सकते हैं. लगातार 15-20 दिनों तक ऐसा करने से पाचन बेहतर होता है और पेट की चर्बी में फर्क दिखाई देता है.

दोनों में कौन है बेस्ट वेट लॉस ड्रिंक?

अब सवाल यह उठता है कि ऐपल साइडर विनेगर और जीरा पानी में से कौन-सा बेहतर है? इसका जवाब है कि दोनों ही फायदेमंद हैं, लेकिन आपके शरीर की जरूरत पर निर्भर करता है. अगर आपका मेटाबॉलिज्म स्लो है, ब्लोटिंग या गैस की समस्या रहती है, तो जीरा पानी आपके लिए बेहतर विकल्प है. वहीं, अगर आप फैट बर्न को तेजी से बढ़ाना चाहते हैं और आपका पाचन सिस्टम ठीक है, तो ऐपल साइडर विनेगर असरदार साबित हो सकता है. हालांकि, इन दोनों को एक साथ या बहुत अधिक मात्रा में पीना नुकसानदेह हो सकता है, वेट लॉस सिर्फ इन ड्रिंक्स से नहीं होगा. इसके लिए हेल्दी डाइट, रेगुलर एक्सरसाइज और पर्याप्त नींद भी जरूरी है.

आज का राशिफल

मेष : स्वास्थ्य एकाएक खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। काम में मन नहीं लगेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

वृषभ : भाग्य का साथ मिलेगा। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें।

मिथुन : फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। जोखिम न लें।

कर्क : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह : माता या पिता के सेहत को लेकर कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। स्वयं के काम पर ध्यान दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कन्या : घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

तुला : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। धनहानि हो सकती है। सावधानी आवश्यक है।

वृश्चिक : वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है। भागदौड़ होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

मकर : कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें। नौकरी में चैन रहेगा।

कुंभ : नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी। आशंका व कुशंका रहेगी। कार्य में बाधा संभव है।

मीन : विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

दो मुंहे बालों से हैं परेशान?

■ अपनाएं ये आसान घरेलू नुस्खे

दो मुंहे बाल यानी स्प्लिट एंड्स आज की सबसे आम हेयर प्रॉब्लम में से एक हैं. चाहे महिलाएं हों या पुरुष, लगभग हर कोई कभी न कभी इस समस्या से जूझता है. बालों का बार-बार टूटना, रूखापन, चमक कम होना और लंबाई रुक जाना, ये सब दोमुंहे बालों की वजह से ही होता है.

नारियल तेल बालों के लिए वरदान माना जाता है. अगर इसमें एलोवेरा जेल मिलाकर लगाया जाए तो इसका असर कई गुना बढ़ जाता है. एक चम्मच नारियल तेल में एक चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं. इसे हल्का गुनगुना कर लें और बालों की जड़ों से लेकर सिरों तक मसाज करें. 30 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से धो लें. सप्ताह में दो बार इस्तेमाल करने से बालों की दोमुंही समस्या कम हो जाती है.

अंडा प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत है, जो बालों को मजबूत और मुलायम बनाता है. एक अंडे की जर्दी में एक चम्मच जैतून तेल और एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिक्सचर को बालों में लगाएं और 20 मिनट बाद धो लें. यह न सिर्फ दोमुंहे बालों को कम करेगा बल्कि बालों में नेचुरल शाइन भी लाएगा.

अगर आपके बाल बहुत ड्राई हैं तो यह पैक आपके लिए सबसे बेहतर है. केला बालों को मॉइश्चर देता है और दही बालों की जड़ों को ठंडक पहुंचाती है. एक पका हुआ केला मैश कर उसमें दो चम्मच दही मिलाएं. इस पेस्ट को बालों में लगाकर 30 मिनट बाद धो लें. बालों का रूखापन जाएगा और दोमुंहे सिरे नरम होकर टूटना बंद हो जाएंगे.

दादी-नानी के जमाने से बालों की खूबसूरती का राज यही है. गर्म तेल की मालिश से खून का संचार बढ़ता है और बालों को नेचुरल नमी मिलती है. बादाम तेल, नारियल तेल या ऑलिव ऑयल में से कोई एक तेल हल्का गर्म कर लें. इसे स्कैल्प और बालों के सिरों तक लगाकर 1 घंटे तक छोड़ दें, फिर धो लें.यह दोमुंहे बालों की समस्या को जड़ से खत्म करने में मदद करता है.

मेथी में प्रोटीन और निकोटिनिक एसिड होता है जो बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है. एक चम्मच मेथी के दाने रातभर पानी में भिगो दें। सुबह इसे पीसकर पेस्ट बना लें और बालों में लगाएं। 30 मिनट बाद धो लें.यह पैक बालों को अंदर से हेल्दी बनाता है और दोमुंहे सिरे खत्म करता है.

अगर बालों में डैंड्रफ और रूखापन दोनों हैं तो यह उपाय सबसे असरदार है. नींबू बालों की जड़ों को साफ करता है और दही बालों को सॉफ्ट बनाती है. दो चम्मच दही में आधा नींबू निचोड़कर मिक्स करें और बालों में लगाएं. 20 मिनट बाद धो लें.सप्ताह में एक बार इसका इस्तेमाल करने से दोमुंहे बालों की समस्या कम होती है.

असली और नकली बादाम की करें पहचान

बादाम पोषक तत्वों का खजाना है, जो दिमाग, हड्डियों और दिल के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है. लेकिन आजकल बाजार में नकली बादाम भी मिलने लगे हैं. इसलिए असली और नकली बादाम की पहचान जानना बहुत जरूरी है.

असली बादाम का रंग हल्का भूरा और चमकदार होता है, जबकि नकली बादाम अधिक गहरा और मटमैला दिखाई देता है. अगर बादाम का रंग बहुत ज्यादा डार्क लगे तो समझें कि वह असली नहीं है.

एक बादाम को हथेली पर रगड़कर देखें. अगर उससे भूरा या लाल रंग निकलने लगे तो वह नकली है. असली बादाम रंग नहीं छोड़ता और उसकी सतह साफ बनी रहती है.

कागज पर कुछ बादाम रखकर हल्का दबाएं. अगर कागज पर हल्का तेल का निशान दिखाई दे तो यह असली बादाम का संकेत है क्योंकि असली बादाम में प्राकृतिक तेल मौजूद होता है.

असली बादाम का छिलका आसानी से निकल जाता है, खासकर जब उसे कुछ देर गुनगुने पानी में भिगोया जाए. नकली बादाम का छिलका कठोर रहता है और उतारने में मुश्किल होती है.

असली बादाम का स्वाद मीठा और हल्का कड़वाहट लिए होता है. नकली या मिलावटी बादाम का स्वाद कड़वा या अजीब लगेगा जिससे उसकी पहचान तुरंत हो जाती है.

असली बादाम की पहचान करना मुश्किल नहीं है बस थोड़ी सावधानी जरूरी है. रंग, स्वाद, तेल और छिलके से आप आसानी से फर्क जान सकते हैं और सेहत के लिए सही बादाम चुन सकते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

6 साल की मासूम से दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर हत्या, भूसा घर में छिपाया शव

चंदौली. चंदौली से मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां सोमवार की देर रात छह साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी गई। आरोपित ने शव को पास के भूसा घर में छिपा दिया। परिजनों को बालिका का शव मिलने पर कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू कर दी है। ये घटना अलीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। जहां सोमवार की रात 9 बजे बच्ची अपने चाचा के घर से अपने घर वापस आ रही थी। लेकिन अपने घर नहीं पहुंची। इसी बीच वह अचानक गायब हो गई। परिजन उसे ढूंढते हुए घर से कुछ दूरी ही पहुंचे थे कि बच्ची के कपड़े पड़े मिले। वही पास ही स्थित एक भूसा रखे घर के समीप बिस्कुट, टॉफी, कुरकुरे और गुटखे के रैपर बिखरे थे, जिससे परिजनों को संदेह हुआ। खोजते हुए वे भूसा घर में पहुंचे, जहां बच्ची का शव भूसे में रखा हुआ मिला।

छठ पूजा के दौरान गोरखपुर में हादसा, चंदौली में सास-बहू-पोते की दर्दनाक मौत

चंदौली. यूपी के चंदौली में मंगलवार की सुबह छठ घाट पर जा रहे सास-बहू और पोते को एक तेज रफ्तार गाड़ी ने रौंद दिया। ये तीनों सुबह छठ घाट पर पूजा के लिए जा रहे थे। तीनों पैदल ही घाट की ओर जा रहे थे। पीछे से आई तेज रफ्तार गाड़ी ने उन्हें रौंद दिया। उधर, छठ महापर्व के दौरान मंगलवार भोर में गोरखपुर में दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में डूबने की घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई है। पहली घटना गोला थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत डाड़ी खास की है, जहां बनिया पोखरे पर छठ पूजा देखने पहुंचे चंदन (35 वर्ष) पुत्र बाबूलाल की पोखरे में डूबने से मौत हो गई। परिजन व ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दूसरी घटना बड़हलगंज थाना क्षेत्र के अहिरौली (द्वितीय) गांव की है। यहां छठ पूजा के दौरान एक युवक तालाब में डूब गया। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों और गोताखोरों की मदद से युवक की खोजबीन जारी है।

दरोगा के मकान में मिला 5 दिन पुराना नग्न शव

कानपुर. यूपी के कानपुर में सनिगवां में पीएसी दरोगा के मकान की दूसरी मंजिल पर सड़ा हुआ नग्न अवस्था में शव मिलने से हड़कंप मच गया। मौके पर एसीपी चकेरी व पुलिस बल समेत फोरेंसिक टीम पहुंची और जांच कर साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मानसिक विक्षिप्त दरोगा के मकान के आसपास घूम रहा था। आशंका है कि वही पड़ोसी के निर्माणाधीन मकान की सीढ़ियों से चढ़कर घर में घुस आया था। गिरिजा नगर निवासी रामचंद्र राजपूत श्याम नगर स्थित 37वीं बटालियन पीएसी में दरोगा के पद पर तैनात हैं। उन्होंने अपना एक मकान सजारी गांव में बनवाया जो अभी भी निर्माणाधीन हालत में है। दरोगा के बेटे मानपाल सिंह ने बताया कि मकान में बिजली कनेक्शन न होने की वजह से कोई नहीं रहता है। मानपाल ने बताया कि आखिरी बार वह मकान में दीपावली पर दीये जलाने आए थे। तब से घर बंद पड़ा हुआ है। मानपाल ने बताया कि सोमवार दोपहर को वह मकान में सफाई करने आए थे। दरवाजा खोलते ही उन्हें दुर्गंध आई। उन्होंने घर में देखना शुरू किया तो दूसरी मंजिल में बरामदे के नीचे सड़ा हुआ युवक का शव मिला। मानपाल ने पिता और पुलिस को सूचित किया।

केंद्र ने 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दी

- एक जनवरी से लागू हो सकता है
- 50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनरों को फायदा होगा

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने मंगलवार को 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी। इससे 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनधारियों को फायदा होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आयोग अपनी सिफारिशें 18 महीनों में देगा। इसकी सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होने की संभावना है। यह आयोग केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों के वेतन और भत्तों की समीक्षा करेगा।

आयोग में एक अध्यक्ष, एक अंशकालिक (पार्ट-टाइम) सदस्य और एक सदस्य-सचिव शामिल होंगे। इस आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजन प्रकाश देसाई करेंगी।

8वें वेतन आयोग में सैलरी कितनी बढ़ सकती है?

बेसिक सैलरी में कितनी बढ़ोतरी होगी, ये फिटमेंट फैक्टर और DA मर्जर पर निर्भर करता है। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। 8वें में ये 2.46 हो सकता है। हर वेतन आयोग में DA जीरो से शुरू होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि नई बेसिक सैलरी पहले से ही महंगाई को ध्यान में रखकर बढ़ाई जाती है। इसके बाद DA फिर से धीरे-धीरे बढ़ता है। अभी DA बेसिक पे का 55% है। DA के हटने से टोटल सैलरी (बेसिक + DA + HRA) में बढ़ोतरी थोड़ी कम दिख सकती है, क्योंकि 55% DA का हिस्सा हट जाएगा।

मान लीजिए, आप लेवल 6 पर हैं और 7वें वेतन आयोग के हिसाब से आपकी मौजूदा सैलरी है:
बेसिक पे : 35,400
DA (55%) : 19,470
HRA (मेट्रो, 27%) : 9,558
टोटल सैलरी : 64,428

8वें वेतन आयोग में अगर फिटमेंट 2 .46 लागू होता है, तो नई सैलरी होगी :
नई बेसिक पे : 35,400 x 2 .46 = 87,084
DA : 0% (रीसेट)
HRA (27%) : 87,084 x 27% = 23,513
टोटल सैलरी : 87,084 + 23,513 = 1,10,597

पूजा, लड़ाई और फिर होटल का कमरा...

- महिला डॉक्टर के सुसाइड केस में नया मोड़

सतारा. महाराष्ट्र के सतारा जिले की 28 वर्षीय महिला डॉक्टर के आत्महत्या करने के मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। इनसे मामला भी टर्न लेता दिख रहा है। अब जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार पीड़िता ने आत्महत्या के लिए उकसाने के दो आरोपियों में से एक पुलिस वाले को मेसेज भी किए थे। इन मेसेज में उसने यह संकेत दिया था कि वह परेशान है। यही नहीं जान देने से पहले महिला डॉक्टर आरोपी प्रशांत बानकर के घर भी गई थी और वहां हो रही पूजा में हिस्सा लिया था। वहां प्रशांत बानकर से महिला डॉक्टर की बहस हो गई थी। इसके बाद वह निकली और एक होटल में चली गई, जहां अपनी जान दे दी।

महिला डॉक्टर ने रेप का आरोप लगाते हुए हथेली पर ही एक सुसाइड नोट लिखा था। इसके अलावा 4 पन्ने का एक लेटर भी छोड़ा है। महिला डॉक्टर ने लिखा था कि पुलिसकर्मी गोपाल बडाने ने उसका रेप किया था। इसके अलावा प्रशांत उसे ब्लैकमेल करने में जुटा था। डॉक्टर का कहना था कि पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बानकर उनके मकान मालिक का बेटा है। वह उसे लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान कर रहा था। फिलहाल पुलिस ने दोनों को अरेस्ट कर लिया है। सतारा पुलिस के चीफ तुषार दोशी का कहना है कि पुलिस ने डॉक्टर और दोनों आरोपियों के बीच हुई चैट को रिकवर कर लिया है।

बडाने के साथ डॉक्टर की बातचीत मार्च में समाप्त हो गई थी। इसके बाद भी वह प्रशांत बानकर के संपर्क में थी। यहां तक कि होटल में जान देने जाने से पहले भी उसने प्रशांत के घर का दौरा किया था। पुलिस को यह भी पता चला है कि डॉक्टर और पुलिसकर्मी गोपाल बडाने के बीच विवाद हुआ था और एक मीटिंग करके उसे हल किया गया था।

आरोपी के घर पूजा में क्यों गई थीं महिला डॉक्टर

मीडिया से बातचीत में महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकनकर ने कहा कि डॉक्टर लक्ष्मी पूजा के लिए प्रशांत बानकर के घर गई थीं। चाकनकर ने कहा, 'लक्ष्मी पूजन के दिन मृतका बानकर के घर पर थी। ऐसा लगता है कि तस्वीरें खींचने को लेकर दोनों में बहस हुई थी, क्योंकि तस्वीरें ठीक से नहीं ली गई थीं। बहस के बाद डॉक्टर घर छोड़कर चली गईं। बानकर के पिता उन्हें वापस घर ले आए, लेकिन वह फिर से एक लॉज में रहने चली गईं। चाकनकर ने कहा, 'मृतका और दोनों आरोपियों के कॉल रिकॉर्ड से पता चलता है कि मृतका मार्च तक पीएसआई बदाने के संपर्क में थी, और उसके बाद उनके बीच कोई बातचीत नहीं हुई।'

हम अपने डॉक्टरों का ही ख्याल नहीं रखेंगे तो समाज हमें माफ नहीं करेगा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. उच्चतम न्यायालय ने निजी क्लीनिक, औषधालयों और गैर-मान्यता प्राप्त अस्पतालों में कोविड-19 से लड़ते हुए जान गंवाने वाले चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को बीमा पॉलिसी में शामिल नहीं किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। लेकिन अदालत के रुख से स्पष्ट है कि वह डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को बीमा पॉलिसी में शामिल न करने के खिलाफ है। बेंच ने मंगलवार को कहा कि यदि न्यायपालिका चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेगी और उनके लिए खड़ी नहीं होगी तो समाज उसे माफ नहीं करेगा।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बीमा कंपनियां वैध दावों का निपटारा करें और यह धारणा सही नहीं है कि निजी चिकित्सक मुनाफा कमाने के लिए काम कर रहे हैं। पीठ ने कहा, 'अगर हम अपने चिकित्सकों का ध्यान नहीं रखेंगे और उनके लिए खड़े नहीं होंगे तो समाज हमें माफ नहीं करेगा...।' अदालत ने कहा, 'अगर आपके अनुसार यह शर्त पूरी होती है कि वे कोविड-19 से निपटने के लिए काम कर रहे थे और कोविड के कारण उनकी मौत हुई है तो आपको बीमा कंपनी को भुगतान करने के लिए बाध्य करना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि वे सरकारी ड्यूटी पर नहीं थे, यह धारणा सही नहीं है कि वे मुनाफा कमा रहे थे।'

शीर्ष अदालत ने केंद्र को प्रधानमंत्री बीमा योजना के अलावा उपलब्ध अन्य समान या समानांतर योजनाओं के बारे में प्रासंगिक आंकड़े और जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, 'हमें आंकड़े और प्रधानमंत्री योजना के अलावा उपलब्ध अन्य समानांतर योजनाओं के बारे में कुछ जानकारी दीजिए। हम सिद्धांत निर्धारित करेंगे और उसके आधार पर बीमा कंपनी से दावे किए जा सकेंगे। बीमा कंपनी को हमारे फैसले के आधार पर विचार करना और आदेश पारित करना है।' शीर्ष अदालत मुंबई उच्च न्यायालय के नौ मार्च 2021 के आदेश के खिलाफ दायर प्रदीप अरोड़ा और अन्य की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर बस में आग लगी

दिल्ली. दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर मंगलवार दोपहर एअर इंडिया के विमान से कुछ मीटर दूर खड़ी एक बस में अचानक आग लग गई। यह बस एयर इंडिया SATS एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की थी, जो कई एयरलाइंस के लिए ग्राउंड सर्विस देती है। आग लगने के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि इस घटना में कोई घायल हुआ या नहीं। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें बस पूरी तरह आग की लपटों में घिरी दिखाई दे रही है। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। जांच जारी है।

किसने दे दिया अधिकार?

RSS की शाखाओं पर रोक लगाने पर कर्नाटक सरकार को HC से फटकार

- संवैधानिक अधिकारों पर रोक नहीं लगा सकती सरकार: HC

बेंगलूरु. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के कार्यक्रमों पर रोक लगाने को लेकर कर्नाटक सरकार के आदेश पर अब हाई कोर्ट ने स्टे लगा दिया है। जस्टिस एम नागाप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने राज्य सरकार और हुबली पुलिस कमिश्नर के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए कहा है कि उन्हें इसका संवैधानिक अधिकार कहां से मिल गया।18 अक्टूबर को राज्य सरकार ने कहा था कि बिन इजाजत के 10 से ज्यादा लोगों का इकट्ठा होना अपराध है। इसके अलावा पार्क, सड़कों और खेल के मैदान में ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने पर कार्रवाई की जाएगी।

हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 19 (1)(A),19 (1) (B) के तहत दिए गए अधिकारों पर सरकार रोक नहीं लगा सकती है। कोर्ट ने कहा कि सभी को अभिव्यक्ति का अधिकार और शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने का अधिकार दिया गया है और सरकार में उसमें देखल नहीं दे सकती। इस मामले में अभी आगे की सुनवाई होनी है। फिलहाल कोर्ट के इस आदेश से आरएसएस को अंतरिम राहत मिल गई है।

बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा था कि आरएसएस के खिलाफ ये सारे कदम प्रियंक खरगे के इशारे पर उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, आरएसएस अपनी गतिविधियां शांतिपूर्ण तरीके से करता है। वह जुलूसी भी शांति से निकालता है। वहीं कर्नाटक की कैबिनेट ने आरएसएस के कार्यक्रमों और शाखाओं पर रोक लगाने के लिए एक आदेश को मंजूरी दी थी। इसमें कहा गया था कि सरकारी जगहों पर बिना इजाजत इकट्ठा होना अपराध होगा और इसपर कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले प्रियंक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर कहा था कि राज्य में आरएसएस की गतिविधियों पर रोक लगाने की जरूरत है।

इजरायल का समर्थन कर रहा था पत्रकार, कट्टरपंथियों ने मार डाला

कराची. कराची में टेलीविजन चैनल पर इजराइल के समर्थन में टिप्पणी कर रहे एक पत्रकार की चरमपंथी इस्लामी समूह के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर हत्या कर दी। सिंध प्रांत के गृह मंत्री ने यह जानकारी दी। कराची के मालिर इलाके में टेलीविजन चैनल कार्यालय से बाहर निकलते समय 21 सितंबर को पत्रकार एवं एंकर इम्तियाज मीर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के आरोप में संदिग्ध चार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

गृह मंत्री जियाउल हसन लंजहर ने सोमवार को दावा किया कि हत्यारे, पत्रकार मीर को इजराइल का कथित समर्थक मानते थे और इसी समर्थन वाली टिप्पणी के कारण उन्हें निशाना बनाया गया।

सम्मान से भेज सकते थे, चेन से बांधकर क्यों रखा?

- भावुक हुए अमेरिका से लौटे प्रवासी

नई दिल्ली. मकान-दुकान या जमीन बेचकर अमेरिका जाने वाले युवकों को जब हथकड़ियां लगाकर डिपोर्ट कर दिया गया तो उनके सारे सपने चकनाचूर हो गए। पैतृक संपत्ति गंवाकर भी उनके हाथ कुछ नहीं लगा। उसके ऊपर अमेरिकी प्रशासन ने हथकड़ियां लगाकर उनके सम्मान को ऐसी चोट पहुंचाई है जिसे भूलना मुश्किल हो रहा है। अमेरिका से हरियाणा लौटने वाले 54 युवकों में 16 करनाल के और 14 कैथल के रहने वाले थे। शनिवार को ये सभी युवक दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे थे। मामूली फॉर्मैलिटि के बाद रविवार को उन्हें उनके परिवारवालों को सौंप दिया गया।

20 साल के रजत पाल ने बताया कि उनके पिता की संगोही में मिठाई की दुकान थी। 26 मई को रजत अपने परिवार की आशाओं का बोझ लादे अमेरिका की ओर रवाना हुए थे। हालांकि यह रास्ता सीधा नहीं था। उन्हें जंगल के रास्ते पैदल लंबा सफर तय करना था। इसी को डंकी रूट कहा जाता है। रजत के भाई विशाल ने एक प्लॉट और दुकान बेचकर 45 लाख का इंतजाम किया. एजेंट ने उनसे वादा किया था कि गारंटी के साथ अमेरिका में प्रवेश दिला देगा।

जंगल का रास्ता, भूख और ठगी

रजत ने बताया, हमारे ग्रुप में करीब 12 से 13 लोग थे। हमें पनामा के जंगलों में अपना रास्ता तय करना था। खाने को बहुत थोड़ा दिया जाता था। यह बेहद खतरनाक रास्ता था और भूख से सभी परेशान हो गए थे। हालांकि सबको यही लगता था कि एक बार अमेरिका पहुंचने के बाद सारे कष्ट कट जाएंगे। हालांकि अमेरिका में उन्हें हिरासत में ले लिया गया दो हफ्ते जेल में रखा गया। इसके बाद 20 अक्टूबर को बताया गया कि सभी को डिपोर्ट किया जाएगा।

जेल में काटे 14 महीने

विशाल ने कहा, हमने रजत को अमेरिका भेजने के लिए संपत्ति भी बेच दी और कर्ज भी ले लिया। वहीं तारागढ गांव के रहने वाले नरेश कुार ने कहा कि उन्होंने अमेरिका जाने के लिए 57 लाख रुपये खर्च किए और और 14 महीने उन्हें जेल में रहना पड़ा। उन्होंने कहा, एजेंटों ने पहले स्पष्ट नहीं बताया कि कितना रुपया देना होगा। इसके बाद हर बॉर्डर क्रॉस करने पर उनकी मांग बढ़ती चली गई। यह सब एक दुस्वप्न की तरह था।अंबाला के जगोली गांव के रहने वाले हरजिंदर सिंह ने भी अमेरिका में शेटल होने का सपना बुना था। उन्होंने कहा, कम से कम हमारे आत्मसम्मान का तो ध्यान देना चाहिए था। हमें 25 घंटे तक हथकड़ियों में जकड़कर रखा गया। मेरे हाथ पैर सूज गए थे। हमारे साथ जानवरों की तरह का व्यवहार किया गया।

टी-20 वर्ल्ड कप की ड्रेस रिहर्सल है ऑस्ट्रेलिया सीरीज

- यहीं से ICC टूर्नामेंट के लिए प्लेइंग-11 तैयार होगी
- प्रेशर सिचुएशन की आदत भी पड़ेगी

वनडे सीरीज हार के बाद टीम इंडिया 29 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में 5 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। जहां टीम के पास हिसाब बराबर करने का मौका तो रहेगा ही, टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम परखने का चांस भी रहेगा। ऑस्ट्रेलिया हमेशा ही दुनिया की टॉप-3 टीमों में शामिल रही, उनके खिलाफ उन्हीं के मैदान में खेलना क्रिकेट के सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक है। ऑस्ट्रेलिया के दर्शक और प्लेयर्स विपक्षी टीम के खिलाड़ियों को हमेशा ही चैलेंज करते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ परफॉर्म करने वाले प्लेयर्स किसी भी तरह की प्रेशर सिचुएशन में परफॉर्म करने के लिए तैयार भी हो जाते हैं।

दोनों टीमें ICC खिताब की दावेदार

क्रिकेट टीमों के सामने अगला बड़ा चैलेंज ICC का टी-20 वर्ल्ड कप है। 2026 की फरवरी में शुरू होने वाले टूर्नामेंट में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें खिताब जीतने की बड़ी दावेदार हैं। टूर्नामेंट की मेजबान भारत और श्रीलंका हैं। श्रीलंका में तो लो-स्कोरिंग मुकाबले देखने को मिलेंगे, लेकिन भारत में हाई स्कोरिंग मैच होंगे। जिसके लिए दोनों ही टीमों में बिग हिटर्स मौजूद हैं।

भारत ने जहां पिछले महीने ही टी-20 एशिया कप का खिताब जीता, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पिछले वर्ल्ड कप के बाद से 2 ही मुकाबले गंवाए हैं। टीम ने इस दौरान 16 टी-20 जीते। होमग्राउंड पर तो कंगारू टीम ने 1 ही मैच गंवाया। पिछले वर्ल्ड कप के बाद से चैंपियन भारत ने भी 27 में से 24 टी-20 जीते हैं।

बाबा केदार की पंचमुखी डोली पहुंची उखीमठ

- 6 महीने तक ओंकारेश्वर मंदिर में विराजमान होंगे केदारेश्वर
- 3 दिनों में पूरी की 55KM की पैदल यात्रा

रुद्रप्रयाग. रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने के बाद बाबा केदार की पंचमुखी डोली अब 55 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर उखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में पहुंच गई है। यहां भक्तों ने 'हर-हर महादेव' के जयकारों के बीच बाबा का भव्य स्वागत किया। अब छह महीने तक बाबा केदार की शीतकालीन पूजा इसी गद्दीस्थल पर होगी और भक्त अपने आराध्य का दर्शन यहीं कर सकेंगे।

शनिवार सुबह डोली ने गुप्तकाशी से अपने अंतिम पड़ाव उखीमठ की ओर प्रस्थान किया था। सेना की बैंड धुनों और भक्तों के जयकारों के बीच बाबा केदार की चल उत्सव विग्रह डोली ने सेमी-भैंसारी, विद्यापीठ और जैवीरी होते हुए दोपहर 12 बजे ओंकारेश्वर मंदिर में अपनी 55 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी की।

मंदिर के गर्भगृह में स्थापित की गईं मूर्तियां

डोली के ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचने पर हजारों भक्तों ने पुष्प और अक्षत के साथ स्वागत किया। बाबा के जयकारों के बीच डोली ने मंदिर की परिक्रमा की। मुख्य पुजारी बागेश लिंग ने बाबा केदार की आरती उतारी और रावल भीमाशंकर लिंग की मौजूदगी में चल उत्सव विग्रह डोली से भोग मूर्तियों को उतारा गया। भोग मूर्तियों को ओंकारेश्वर मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया गया। पंथेर पुरोहितों ने केदारनाथ धाम के उदक कुंड से लाया पवित्र जल भक्तों में प्रसाद रूप में वितरित किया। केदारनाथ की विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि बाबा केदार की यात्रा सफल रही और अब शीतकालीन पूजा ओंकारेश्वर मंदिर में प्रारंभ हो गई है।

पंचाक्षर 'ॐ नम: शिवाय' से जुड़ी मूर्ति

पंचमुखी डोली पंचाक्षर मंत्र 'ॐ नम: शिवाय' से भी जुड़ी मानी जाती है। इसमें उत्तर दिशा में 'अकार', पश्चिम में 'उकार', दक्षिण में 'मकार', पूर्व में 'बिंदु' और मध्य में 'नाद' का प्रतीकात्मक निवास बताया गया है। धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है कि त्रिपदा गायत्री का प्राकट्य भी इसी पंचमुखी मूर्ति से हुआ है।

पांच दिशाओं में दिखते हैं शिव के रंग और वर्ण

पंचमुखी मूर्ति में भगवान शिव के पांच दिशाओं में अलग-अलग वर्ण दिखाई देते हैं। सिर की दिशा श्वेत वर्ण में, पूर्व दिशा सुवर्ण में, दक्षिण दिशा नीलवर्ण में, पश्चिम दिशा शुभ स्फटिक उज्ज्वल में और उत्तर दिशा जपापुष्प या प्रवाल स्वरूप में है। ये पांचों रंग संसार के सभी वर्णों और भावों के प्रतीक हैं।

देश में 'नया खून' घट रहा

जनसंख्या में तेजी से हुआ बदलाव; चौंकाने वाले आंकड़े

नई दिल्ली. देश में जनसांख्यिकी ढांचा में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट सामने आई है। इसके अनुसार, 2011-2026 के बीच देश में बच्चों और किशोरों (0-19 साल) की आबादी में 9 फीसदी का गिरावट आने का अनुमान है। देश में वर्ष 2011 में 0-19 साल की आबादी करीब 41%, थी, जो 2026 में महज 32 फीसदी पर सिमट जाएगी। मंत्रालय की रिपोर्ट भारत में बच्चों की आबादी में यह दावा किया गया है।

एक अनुमान के अनुसार, इस आयु वर्ग में करीब 125 करोड़ लोग कम होने का अनुमान है रिपोर्ट में 0-19 साल की आबादी को चार वर्गों में बांटा ने गया है। यदि 2011 की बात करें तो 0-4 साल के आयु वर्ग की आबादी 9.9 फीसदी थी जो 2026 में 7.6 फीसदी रह जाएगी। 5-9 साल आयुवर्ग की आबादी 10.4 से घटकर7.9% रह जाएगी। तीसरे समूह 10-14 आयु वर्ग में आबादी का प्रतिशत 10.6 से घटकर 8.2 रह जाएगी। 15-19 साल के आयु वर्ग की आबादी 10.1 से घटकर 8.2 फीसदी रह जाएगी। भारत में परिवार नियोजन की सुविधाओं में सुधार होने के कारण पिछले कुछ वर्षों से लगातार प्रजनन दर घट रही है, जिसका असर आबादी के ढांचे पर दिखना शुरू हो गया है।

पीरियड्स आए हैं ब्रेक चाहिए, सुपरवाइजर बोला- कपड़े उतारो

- हरियाणा की यूनिवर्सिटी में बवाल

चंडीगढ़. हरियाणा के रोहतक में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (MDU) में महिला सफाई कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच मंगलवार को जमकर हंगामा हो गया। दरअसल यहां दो महिला सफाई कर्मचारियों ने पीरियड्स आने के कारण सेहत खराब होने का हवाला देते हुए अपने सुपरवाइजर से ब्रेक मांगा। हालांकि सुपरवाइजर ने कथित तौर पर उन्हें कपड़े उतरवाकर मासिक धर्म की जांच करवाने को कहा। इससे महिला सफाई कर्मचारियों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने हंगामा मचा दिया।

विवाद बढ़ने के बाद छात्र संगठन भी सफाई कर्मचारियों के समर्थन में उतर गए और आरोपियों के सस्पेंड किए जाने की मांग करने लगे। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन पर दबाव बढ़ने के बाद आनन-फानन में सुपरवाइजर को हटा दिया गया।

जांच के लिए कपड़े उतार फोटो करवाने को कहा

पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब दो महिला सफाई कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि वे महावारी के चलते स्वास्थ्य खराब होने पर कुछ देर का ब्रेक लेना चाह रही थीं। उन्होंने इस बारे में अपने सुपरवाइजर से बात की तो वह उनकी दिक्कत समझने के बजाय बदतमीजी पर उतारू हो गया। आरोप है कि सुपरवाइजर ने महिला सुरक्षा कर्मी के माध्यम से महिला सफाईकर्मी के कपड़े उतारकर जांच कराने कहा। जब महिला कर्मी ने ऐसा करने से इनकार किया, तो उनके साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया गया। आरोप है कि सुपरवाइजर ने जांच के लिए कपड़े उतार फोटो खिंचवाने को कहा। इसके बाद अन्य सफाईकर्मियों ने इस मामले को गंभीरता से लिया और हंगामा शुरू हो गया।

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्री गोविंद टिकमदास फेरवानी ने शॉप नं. 4, अक्षयदीप को-ऑप, हाउसिंग सोसायटी लि., प्लॉट नं. 28, सेक्शन 4-ए, उल्हासनगर- 421003 (टैक्स नं. 29सीओ005166100) क्षेत्रफल 252 चौ.फुट. इस प्रापर्टी के बिक्री का सौदा श्री संजय मेंघराजमल बजाज के साथ किया है।

अगर उपरोक्त प्रॉपर्टी के बारे में किसी हिस्से के लिए किसी भी व्यक्ति को मोरोसी हक, वास्ता जैसे कि बिक्री नामा, गिरवी नामा, बक्षीस नामा, वसीयत नामा व कब्जा इत्यादि अथवा किसी भी कोर्ट केस या संस्था/बैंक को देना ऐसी किसी किस्म की आपत्ति (ऐतराज) हो तो वह लेखी में पूरे सबूतों के साथ इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पत्ते पर अपनी आपत्ति सबूतों के साथ समय पर भेजे। अन्यथा दूसरी हालत में आम सूचना के समय पूरे होने के बाद उपरोक्त प्रॉपर्टी का सौदा कर पूरा कर दिया जाएगा उसके बाद कोई भी आपत्ति या दावा सुना नहीं जाएगा।

सही/-
एड. पिंकी बुधवानी
शॉप नं. 2, लासी हॉल के पास, हेमराज डेयरी रोड,
उल्हासनगर-421001. मो. 7057805281

संक्षेप...

अच्छे रिटर्न का लालच देकर दस लोगों से 83.12 लाख की ठगी

मुंबई. चेम्बूर पुलिस ने मोहम्मद अली मोहम्मद सलीम शेख, 40, के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उस पर आरोप है कि उसने अपनी बकरी ट्रेडिंग के बिजनेस में अच्छे रिटर्न का लालच देकर दस लोगों से 83.12 लाख रुपये की ठगी की। आरोपी ने पीड़ितों को हर 1 लाख रुपये के इन्वेस्टमेंट पर हर महीने 5,000 रुपये का प्रॉफिट देने का वादा करके फंसाया। शिकायत अब्दुल अजीज अब्दुल सलाम सैयद, 35, ने दर्ज कराई है, जो चेम्बूर के डायमंड गार्डन इलाके में रहते हैं और मेहंदी आर्टिस्ट हैं। सैयद ने पुलिस को बताया कि दिसंबर 2023 में, नीलोफर नाम की एक महिला, जो उनके साथ काम करती थी, ने उन्हें अपने कजिन मोहम्मद अली से मिलवाया और बताया कि वह बकरी ट्रेडिंग का बिजनेस करता है। नीलोफर ने सैयद को भरोसा दिलाया कि उसने खुद 2017 में अली के साथ 3 लाख रुपये इन्वेस्ट किए थे और उसे हर महीने 15,000 रुपये का रिटर्न मिल रहा है।

भाजपा को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं -अमित शाह

- CM फडणवीस ने दी सफाई

मुंबई. महाराष्ट्र में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बैशाखी वाले बयान के बाद राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शाह के बयान पर सफाई देते हुए कहा कि दोस्त बैशाखी नहीं होते हैं। दरअसल, आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी को बैसाखियों की जरूरत नहीं है, पार्टी अब अपने बल पर चलती है।

राजनीतिक हलकों में अमित शाह के इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे थे। हालांकि शाम होते-होते मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सफाई सामने आ गई। एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ तीन दलों की गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे फडणवीस ने कहा, "जो लोग इस टिप्पणी पर सवाल उठा रहे हैं, वे 'बैसाखी' का मतलब नहीं समझते। दोस्त बैसाखी नहीं होते।"

क्या कहा था केंद्रीय गृहमंत्री ने

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दक्षिण मुंबई के चर्चगेट स्टेशन के पास भाजपा के नए कार्यालय के उद्घाटन के लिए आए हुए थे। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में विपक्ष का इस तरह सफाया हो कि वे दूरबीन से भी नजर न आएं। उन्होंने कहा, ₹हमने साबित कर दिया है कि परिवारवाद वाली पार्टियों की राजनीति अब इस देश में नहीं चलेगी। काम करने की राजनीति ही देश को आगे ले जाएगी। मोदी जी इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं। एक साधारण चाय बेचने वाले के घर में पैदा हुआ बच्चा अपने समर्पण, त्याग और कड़ी मेहनत के बल पर भारत का प्रधानमंत्री बना।''

शाह ने कहा, ''मेरा मानना है कि जो पार्टी अपने कामकाज में लोकतंत्र को कायम नहीं रख सकती, वह देश के लोकतंत्र की रक्षा कभी नहीं कर सकती। यह सभी वंशवादी पार्टियों के लिए एक कड़ा संदेश है।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक सिद्धांतों पर चलती है और कड़ी मेहनत करने वाले तथा प्रदर्शन के आधार पर पार्टी कार्यकर्ता पार्टी पदानुक्रम में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बूथ अध्यक्ष था और राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गया, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक गरीब परिवार से आते हैं और अपनी प्रतिबद्धता तथा त्याग के कारण तीसरी बार देश का नेतृत्व कर रहे हैं।''

'आपला दवाखाना' के ठेकेदार को आखिरकार काली सूची में डाला गया

- विधायक संजय केलकर के विरोध के बाद ठाणे मनपा का फैसला

ठाणे. मनपा ने ठाणे शहर में ₹आपला दवाखाना₹ नामक कंपनी, मेड ऑन गो हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की है और इस ठेकेदार को काली सूची में भी डाल दिया है। चार दिन पहले ही विधायक संजय केलकर ने आपला दवाखाना के ठेकेदार के अनियमित प्रबंधन का पर्दाफाश किया था। उसके बाद मनपा ने हंगामा मचाकर कार्रवाई के कागजी घोड़े दौड़ाए थे। इस संबंध में विधायक संजय केलकर ने मंगलवार (28 अक्टूबर) को मनपा आयुक्त सौरभ राव से फिर मुलाकात की और जवाब मांगा। इस पर आयुक्त ने कहा कि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि वे आपला दवाखाना के डॉक्टरों और नर्सों का बकाया वेतन और ज़मीन मालिकों का किराया दो दिन के भीतर चुका देंगे ठाणे मनपा क्षेत्र में 2020 से 50 आपला दवाखाना शुरू करने का ठेका कर्नाटक की एम. मेड को दिया गया है। ऑन गो हेल्थ कंपनी को दिया गया था। पूरे अनुबंध अवधि के दौरान, इस कंपनी ने केवल 46 क्लीनिक ही शुरू किए। विस्तार के बावजूद, कंपनी अन्य क्लीनिक शुरू करने में अप्रभावी रही। क्लिनिक में जाँच के लिए आने वाले मरीजों को मनपा द्वारा 150 रुपये प्रति मरीज की दर से भुगतान किया जा रहा है। फिर भी, क्लिनिक में कार्यरत डॉक्टरों, नर्सों और कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। क्लिनिक के कर्मचारियों ने जनसंवाद में केलकर के समक्ष यह मामला उठाया। इसके बाद केलकर ने जवाब माँगा, तब मनपा प्रशासन जागा और उक्त कंपनी की 3.5 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी से डॉक्टरों और कर्मचारियों के वेतन और परिसर के किराए का भुगतान करने के निर्णय की घोषणा की और एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस बीच, मंगलवार को विधायक संजय केलकर ने फिर से ठाणे मनपा मुख्यालय में आयुक्त सौरभ राव से मुलाकात की और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी ली। तदनुसार, आयुक्त राव ने स्पष्ट किया कि क्लिनिक के ठेकेदार को काली सूची में डाल दिया गया है। साथ ही, आयुक्त ने यह भी कहा कि केलकर ने कहा कि अगले दो दिनों में वेतन और किराया दे दिया जाएगा।

महाराष्ट्र राज्य अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष

एड. धर्मपाल मेश्राम ने भिवंडी मनपा का किया दौरा

भिवंडी. महाराष्ट्र राज्य अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष और सदस्य (सचिव स्तर) एड. धर्मपाल मेश्राम ने मंगलवार को भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के अपने नियोजित दौरे के दौरान एक बैठक की और विभिन्न विभागों की समीक्षा की। इस बैठक में उन्होंने महानगरपालिका के कुल बजट, प्रतिबद्ध खर्चों को घटाने के बाद शेष राजस्व संग्रह में से कमजोर वर्गों के लिए उपलब्ध कराई गई धनराशि की समीक्षा की।

शहर के 137 निजी अस्पतालों के लाइसेंस चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से नवीनीकृत किए गए हैं और किन अस्पतालों में कमजोर वर्गों के लिए बिस्तर आरक्षित किए गए हैं इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी संदीप गाडेकर को 1 महीने के भीतर अनुसूचित जाति आयोग को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

साथ ही, महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा विकलांगों और कमजोर वर्गों के लिए कार्यान्वित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। स्थापना विभाग के प्रमुख को सूचित किया गया कि वे महानगरपालिका के सभी कर्मचारियों, विशेष रूप से सफाई कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं को तुरंत अद्यतन करें.

बैठक का समापन करते हुए, आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा कि आज की बैठक का मुख्य उद्देश्य शहर के कमजोर वर्गों और अनुसूचित जातियों को विभिन्न लाभ प्रदान करना था। उन्हें न्याय दिलाना हम सभी का पहला और सबसे बड़ा कर्तव्य है। इन वर्गों को विकास की मुख्यधारा में लाना और उनका विकास करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

मनपा आयुक्त एवं प्रशासक अनमोल सागर ने उपाध्यक्ष का आभार व्यक्त किया और बैठक समाप्त होने की घोषणा की। इस बैठक में अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके, उपायुक्त विक्रम दराडे, राम प्रसाद सालुंके आदि वरिष्ठ अधिकारी और विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

राष्ट्रवादी (शप) का एलआईसी पर मोर्चा

- बेरोज़गार युवाओं ने लोन के लिए आवेदन किया
- नए उद्यमियों को भी पूंजीगत लोन देने की माँग

ठाणे. मोदी सरकार ने अडानी समूह को आर्थिक तंगी से उबारने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का इस्तेमाल किया। उसने एलआईसी पर दबाव बनाकर उसे 'अडानी' कंपनियों में 33 हज़ार करोड़ का निवेश करने के लिए मजबूर किया। एक ओर जहाँ अडानी समूह को इतनी बड़ी रकम दी जा रही है, वहीं आम युवा उद्यमियों को एक लाख रुपये का भी लोन नहीं दिया जा रहा है। इसका विरोध करने और युवाओं को भी अपने उद्योगों के लिए पूंजीगत लोन दिए जाने की माँग को लेकर, डॉ. जितेंद्र आव्हाड के नेतृत्व में राकांपा ज़िला अध्यक्ष मनोज प्रधान के नेतृत्व में एलआईसी कार्यालय पर धावा बोला। इस दौरान, उन्होंने एलआईसी अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा और बेरोज़गार युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए लोन दिए जाने की माँग की।

सोमवार दोपहर करीब 12 बजे सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने ₹मोदी सरकार चोर है, मोदी सरकार हाय-हाय, जैसे नारे लगाते हुए और हाथों में तख्तियाँ लिए एलआईसी कार्यालय के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने मंडल प्रबंधक रूपा भंडारे से भी मुलाकात की और माँग की कि अगर अडानी जैसे समूह को पैसा दिया जा रहा है, तो हम जैसे गरीब बच्चों को भी पैसा दिया जाना चाहिए; हम व्यापार करना चाहते हैं।

ठाणे मनपा का 17 नवंबर को लोकशाही दिवस

- 3 नवंबर तक अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की अपील

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. तहसील स्तर पर लोकशाही दिवस की तर्ज पर, ठाणे मनपा द्वारा नागरिकों की व्यक्तिगत शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर महीने के तीसरे सोमवार को परिमंडल स्तर पर भी लोकशाही दिवस का आयोजन किया जाता है। तदनुसार, लोकशाही दिवस सोमवार, 17 नवंबर, 2025 को आयोजित किया जाएगा। ठाणे मनपा ने नागरिकों से इस लोकशाही दिवस के लिए 3 नवंबर तक अपने अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की अपील की है।

नागरिकों को निम्नलिखित स्थानों पर अपने अभ्यावेदन प्रस्तुत करने चाहिए

जोन-1 कलवा, मुंब्रा, दिवा वार्ड समिति के अंतर्गत उपायुक्त कार्यालय, कलवा वार्ड समिति कार्यालय, कलवा

जोन-2 नौपाड़ा के अंतर्गत, वागले वार्ड समिति, उपायुक्त कार्यालय, नौपाड़ा वार्ड समिति कार्यालय, ठाणे

जोन-3 उथलसर, वर्तकनगर, लोकमान्य। सावरकरनगर, माजिवड़ा मानपाड़ा वार्ड समिति के अंतर्गत) उपायुक्त कार्यालय, माजिवड़ा मानपाड़ा वार्ड समिति कार्यालय, ठाणे

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा पर सभी व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

भिवंडी. वराला देवी कामतघर विसर्जन घाट पर हजारों की संख्या में महिलाओं ने छठ मैया की पूजा कर अपने परिवार की सुख और स्वस्थ जीवन की मंगल कामना की. सभी छठ मईया के व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान भास्कर से सभी की प्रगति, सुख, समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की.

स्व नरेश फाउंडेशन द्वारा आयोजित गायक धीरेन्द्र पाल मधुर भजन संध्या प्रस्तुति दी.उक्त अवसर पर भाजपा विधायक महेश चौघुले, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष एड हर्षल पाटिल, पूर्व पार्षद निलेश चौधरी, मनोज काटेकर, , सुमित पाटिल, संतोष शेट्टी, मनोज काटेकर, गिरीश मिश्रा, दीपक झा, नितेश एंकर, शिवानंद झा, रमाकांत पांडा, राजू गाजेंगी, श्याम बिहारी मिश्रा, श्याम अग्रवाल, नितेश एंकर, ओंकार पांडेय, एड संजय श्रीवास्तव, एड वेंकेटेश चिटकेन, प्रेम तिवारी, सहित भारी संख्या में बिहारी और सर्व समाज के गणमान्य लोग मौजूद थे. छठ मैया भक्तों के स्वागत हेतु सामाजिक संगठनों द्वारा भव्य मंच बनाकर गणमान्य हस्तियों द्वारा भक्तों का स्वागत कर प्रोत्साहित किया गया.आखिरी दिन मंगलवार सुबह छठ व्रतियों द्वारा उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पूजा का समापन हुआ.कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थाध्यक्ष मुकेश कुमार झा, पवन गुप्ता, शिवम झा, मनीष मिश्रा, विनोद एनागंदला, मनीष यादव, राकेश पाल, टीसी सरोज सहित सभी युवा पदाधिकारीयो

एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाया.भिवंडी में भादवाड़, तिलक घाट आदि पर भी डूबते सूर्य को अर्घ्य प्रदान कर छठ व्रतियों द्वारा पूजा अर्चना की गई.मनपा प्रशासन की तरफ से छठ व्रतियों की सुविधा हेतु घाटों पर आवश्यक इंतजाम किए गए थे.पुलिस प्रशासन द्वारा भी बेहतर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था को अंजाम दिया गया था.

कल्याण-डोंबिवली के घाटों में छठ पूजा की धूम

कल्याण. सोमवार शाम को प्रवासी श्रद्धालुओं ने कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका क्षेत्र के गणेशघाट, खाड़ी तटों और नदी तटों पर उत्साह के साथ छठ पूजा मनाई। इस दौरान, नदी और खाड़ी तटों पर पटाखों की गड़गड़ाहट और ढोल की ध्वनि से वातावरण गूंज उठा। रंग-बिरंगे परिधानों में महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और शिशुओं ने इस उत्सव में भाग लिया।

उत्तर भाषी समुदाय कल्याण के निकट शहाड मोहने में उल्हास नदी के तट, दुर्गाडी किले के निकट गणेशघाट, खंबालपाड़ा सागर किनारा मंदिर, डोंबिवली में मोठागांव गणेशघाट, कोपर में गणेशघाट, देसाई खाड़ी और शिलफाटा रोड स्थित श्री खिड़कालेश्वर मंदिर क्षेत्र में छठ पूजा के लिए बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। घटनास्थल पर कोई अप्रिय घटना, भगदड़ जैसी स्थिति पैदा न हो, इसके लिए पुलिस सुरक्षा तैनात की गई थी।

प्रत्येक भक्त के हाथ में एक जलता हुआ दीपक था। इससे घने अंधेरे में इन जलते हुए दीपों का विहंगम दृश्य दिखाई दे रहा था। कल्याण पूर्व के पिसवली, आडिवली ढोकाली, नेवाली और गोलवाली इलाकों में उत्तर भाषी वर्ग सबसे अधिक है। इस बस्ती के अधिकांश नागरिक छठ पूजा के लिए शिलफाटा रोड स्थित खिडकालेश्वर मंदिर में आए थे। मोहने, अंबिवली, शहाड, कल्याण शहर के कुछ नागरिक मोहने में उल्हास नदी के तट पर एकत्र हुए थे। कुछ नागरिक दुर्गाड़ी किले के गणेशघाट पर एकत्रित हुए और छठ पूजा का आनंद लिया।

छठ पूजा के कार्यक्रम खाड़ियों, नदियों और झीलों के किनारे देर रात तक चलते रहे। कार्यक्रम के बाद, खाड़ियों, नदियों और झीलों के किनारे पटाखों के ढेर लग गए। पटाखों का कचरा पड़ा था। अगले दिन मनपा के सफाई कर्मचारियों ने इस सारे पटाखों के कचरे को उठाया।

अनाउंस हुई 'द फैमिली मैन-3' की रिलीज डेट

पॉपुलर वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के दर्शकों के लिए खुशखबरी है। 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का टीजर रिलीज हो गया है। इतना ही नहीं, सीरीज की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है। इसके साथ ही शो की स्टारकास्ट का भी खुलासा कर दिया गया है। जी हां, इस बार दो नए सुपरस्टार्स नजर आएंगे जो शो में विलेन का किरदार निभाएंगे।

कैसा है टीजर?

टीजर की शुरुआत में श्रीकांत की पत्नी सुचित्रा (प्रियामणि) कहती हैं, "चार सालों में बहुत कुछ हुआ है—धृति कॉलेज में है, और अथर्व ने बैले डांस क्लासेस शुरू कर दी हैं। शुक्र है, कम से कम अब तो उसने कुछ अच्छा करना शुरू कर दिया है। लेकिन हमारे प्यारे तिवारी सर... पिछले चार सालों से वो बस एक ही काम कर रहे हैं।" इसके बाद कैमरा श्रीकांत की तरफ घूमता है और श्रीकांत गाने की प्रैक्टिस करते नजर आते हैं।

सीजन 3 में दो नए एक्टर्स की एंट्री

सीजन 3 की कहानी में इस बार और बड़ी चुनौतियां श्रीकांत के सामने आएंगी। जयदीप अहलावत 'रुकमा' और निम्रत कौर 'मीरा' के किरदारों में जबरदस्त विलेन बनकर सामने आएंगे। रुकमा और मीरा, श्रीकांत और उसके परिवार के लिए सीधा खतरा बनते दिखेंगे। इस बार न सिर्फ देश के भीतर बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी श्रीकांत को दुश्मनों का सामना करना पड़ेगा।

कब रिलीज हो रही है सीरीज?

सीरीज 21 नवंबर को रिलीज होगी। इसमें मनोज बाजपेयी के साथ श्रेया धन्वंतर्य, हर्षल सिंहा, आश्लेषा ठाकुर, वेदांत सिन्हा, सुंदीप किशन, दर्शन कुमार, सीमा बिस्वास, गुल पनाग, दलिप ताहिल, विपिन शर्मा, जुगल हंसराज, आदित्य श्रीवास्तव जैसे टैलेंटेड एक्टर्स भी नजर आएंगे।

सुरक्षा गार्ड की मौत, परिवार को 13.85 लाख का मुआवजा

ठाणे. ठाणे में एक दर्दनाक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले 53 वर्षीय सुरक्षा गार्ड कमलेश राममूरत सिंह के परिवार को मोटर एक्सीडेंट क्लेम्स ट्रिब्यूनल (MACT) ने 13.85 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह घटना 2022 में हुई थी, जब तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे एक पिक-अप ट्रक ने कंपनी के कंपाउंड की दीवार और खड़ी वैन के बीच सुरक्षा गार्ड को कुचल दिया था। ट्रक का ड्राइवर हादसे के वक्त बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के गाड़ी चला रहा था।

MACT ने अपने फैसले में कहा कि यह साफ तौर पर देखा जा सकता है कि ट्रक के ड्राइवर ने बहुत तेज रफ्तार से लापरवाही से गाड़ी चलाई थी। यह हादसा वागले एस्टेट इलाके में एक प्राइवेट कंपनी के कंपाउंड के बाहर हुआ था। कमलेश सिंह अपनी ड्यूटी पर तैनात थे।

हादसे का शिकार हुए कमलेश सिंह को सिर में गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। जिस पिक-अप ट्रक ने यह हादसा किया, वह एक थाने की अस्पताल के नाम पर रजिस्टर्ड था। ट्रिब्यूनल ने यह भी पाया कि ट्रक का ड्राइवर उस समय गाड़ी चलाने के लिए योग्य नहीं था क्योंकि उसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। इस लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण ही एक व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ी। MACT के इस फैसले से पीड़ित परिवार को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

ट्रक की टक्कर इतनी जोरदार थी कि खड़ी वैन भी क्षतिग्रस्त हो गई और कमलेश सिंह उसके और कंपनी की दीवार के बीच फंस गए।

राज्य में प्रतिदिन औसतन 61 बच्चों पर अत्याचार

24 बच्चों के साथ यौन अत्याचार के गंभीर मामले

मुंबई. महाराष्ट्र में बच्चों पर हो रहे अत्याचारों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में प्रतिदिन औसतन ६१ बच्चों पर अत्याचार हो रहा है, जिनमें से २४ बच्चों के साथ यौन अत्याचार के गंभीर मामले सामने आ रहे हैं। ०२३ में राज्यभर में २२,३९० बाल अत्याचार के मामले दर्ज किए गए, जो २०२२ की तुलना में १,६२८ मामलों की वृद्धि दर्शाते हैं।

देश में दर्ज कुल बाल अत्याचार मामलों में महाराष्ट्र का हिस्सा लगभग १३ प्रतिशत है। मुंबई, ठाणे और चाइल्ड राइट्स एंड यू (क्राई) के विश्लेषण के मुताबिक, महाराष्ट्र के जिन जिलों में बाल अत्याचार के सबसे अधिक मामले दर्ज हुए हैं, उनमें मुंबई (३,११०), ठाणे (१,६३८), पुणे शहर (१,२३४), मीरा-भायंदर (१,०१६) और पुणे ग्रामीण (८७८) शामिल हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि इन शहरी इलाकों में जनसंख्या घनत्व, शहरी तनाव और निगरानी की कमी जैसे कारणों से बाल सुरक्षा पर गंभीर खतरा बढ़ा है। राज्य में दर्ज कुल बाल अपराधों में से १२,००० से अधिक मामले अपहरण से संबंधित, जबकि ८,००० से अधिक यौन अत्याचार के हैं।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099